cal nature as advertisements in the newspapers; and

(b) if so, the broad outlines of the proposal?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI DHARAM BIR SINHA): (a) No such proposal is under consideration of Government.

(b) Does not arise.

राष्ट्रीयकृत कपड़ा मिलों में व्यक्तियों को रोजगार

2243. **श्री मूलचन्द डागा** : क्या औद्योगिक विकास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार द्वारा अधिगृहीत कपड़ा मिलों में कितने व्यक्तियों को रोजगार दिया गया है ?

औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री सी० सुब्रहमण्यम) : 103 कपड़ा मिलों में, जिनका प्रबन्ध इस समय सरकार कर रही है लगभग 1.63 लाख कर्मचारी उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज हैं।

Memorandum received from National Sample Survey Employees, Calcutta

2244. SHRI SAMAR MUKHERJEE: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether Government have recently received any memorandum from the National Sample Survey Employees' Organisation, Calcutta;

(b) if so, the gist of the memorandum; and

(c) the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI MOHAN DHARIA): (a) Yes; Sir.

(b) The memorandum relates mainly to the recognition by the Government of the National Sample Survery Employees Organisation, shifting of the office of National Sample Survey Organisation from its present location at the premises of the Indian Statistical Institute, and other service matters arising out of the absorption of the employees of the Institute in the Government.

(c) Government is looking into the matter.

Increase in the Production of Silk

2245. SHRI ISHWAR CHAUDHRY: SHRI M. S. PURTY:

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether there is any scheme under the consideration of Government for increasing the production of silk by improved methods of agriculture, research, training, technical development and other means; and

(b) if so, the broad outlines thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI ZIAUR RAHMAN ANSARI): (a) and (b). Yes, Sir.

Following schemes aiming at increasing the production of silk are under the consideration of the Government.

1. A project with the assistance of Food and Agriculture Organisation of the U.N.O. for additional production of 800 metric tons per annum of high grade raw silk is under consideration. The project also aims at making available high quality raw silk for export production by the end of five years from the time of its commencement.

2. A crash programme estimated at Rs. 80 crores has been approved for implementation in Mysore State for a period of 10 years commencing from 1972-73. The programme envisages replantation of mulberry of improved varieties, sinking of irrigation wells,

formation of 500 sericultural cooperatives, construction of 50,000 rearing houses and 1,250 grainages extension of financial assistance to 2,000 reeling units which will function in the private sector. The annual production of raw silk has been estimated at 35 lakh kg. at the end of 10 years of the implementation of the programme.

3. A project costing Rs. 8.18 crores has been prepared for the introduction of tasar silk production on oak plantations in Manipur during the next ten years. The project would ensure annual production of 5.10 lakh kg. of quality reeled tasar silk.

मनीपुर, बिहार, मध्य प्रदेश तथा उड़ीसा में टसर (सिल्क) का उत्पादन

2246. **श्री धनशाह प्रधान :** क्या **औद्योगिक विकास** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत दो वर्षों में मनीपुर, बिहार, मध्य प्रदेश तथा उड़ीसा राज्यों में टसर (सिल्क) के उत्पादन में वृद्धि के बारे में सरकार को कोई जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं; और

(ग) उक्त राज्यों को किन-किन योजनाओं के आधार पर कितनी-कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री जियाउर रहमान अन्सारी): (क) और (ख). टसर रेशम का उत्पादन उडीसा में बढ़ा है तथा बिहार, मध्य प्रदेश और मणीपुर में घटा है। उत्पादन के आंकड़े निम्नलिखित हैं :—

	1970–71	1971–72
	(लाख किलोग्राम में)	
उड़ीसा .	0.100	0.130
बिहार .	1.998	1.680
मध्य प्रदेश .	1.500	1.250
मणीपुर .	0.014	0.007

(ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है

विवरण

मुख्य रूप से निम्नलिखित योजनाओं के अन्तर्गत उड़ीसा, बिहार, मध्य प्रदेश तथा मणीपुर राज्यों को वित्तीय सहायता दी गई है:—

(1) रोगमुक्त रेशम के कीडों (बीजों) का उत्पादन करने तथा पालने वालों को निःशुल्क आपूर्ति करना ।

(2) टसर के पौधों की खेती इकट्ठे उत्पादन हेतु गठन तथा कोयों की आपूर्ति करना ।

(3) आदिवासियों के लड़कों को कच्चे रेशम के सुधरी रीलिंग मशीनों पर लपेटने के कार्य में प्रशिक्षित करने हेतु प्रदर्शन सह-प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करना तथा रीलिंग मशीनों का राज-सहायता की लागत पर वितरण करना ।

निम्नलिखित राशि की वित्तीय सहायता दी गई है :—

(लाख रुपयों में)

	1969 से मार्च 72 तक			1972–73	
	चतुर्थ योजना परिव्यय	राज्य द्वारा मंजूर की गई राशि	खर्च	परिव्यय	खर्च सितम्बर 1972 तक
बिहार	36.130	16.308	14.865	16.00	2.465
मध्य प्रदेश	44.200	29.490	15.049	23.50	4.511
उड़ीसा .	9.410	3.962	3.504	3 57	0.206
मणिपुर .	5.753	3.802	2 825	6.11	0.183
				(जून 1972 तक)	